भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 522 का उत्तर

एरनाकुलम जंक्शन पर यात्री होल्डिंग एरिया परियोजना

522. श्री हैबी ईडन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने एरनाकुलम जंक्शन पर यात्री होल्डिंग एरिया की स्थापना के लिए अपेक्षित व्यय का अनुमान लगाया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या प्रस्तावित सुविधा में बैठने की व्यवस्था, डिजिटल सूचना डिस्प्ले, शौचालय और फूड कियोस्क जैसी सुविधाएँ शामिल हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थापित सुविधाओं से भीड़भाड़ में उल्लेखनीय कमी आई है और व्यस्ततम यात्रा अवधि के दौरान यात्री सुविधा में सुधार हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने एरनाकुलम जंक्शन पर परियोजना शुरू करने के लिए कोई विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) एरनाकुलम जंक्शन पर यात्री होल्डिंग एरिया परियोजना के पूरा होने में कितना समय लगने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): यात्री होल्डिंग एरिया की योजना में बैठने की व्यवस्था, पीने के पानी, शौचालय, टिकट की सुविधा, सूचना प्रदर्शन और सुरक्षा जांच आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ एक

आरामदायक, सुसंगठित स्थान की परिकल्पना की गई है। इन सुविधाओं को व्यस्ततम समय के दौरान बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही को कुशलतापूर्वक व्यवस्थित करने के लिए योजना बनाई गई है।

एरणाकुलम जंक्शन रेलवे स्टेशन को यात्री होल्डिंग एरिया के विकास के लिए चिन्हित किया गया है। होल्डिंग एरिया का विकास योजना चरण में है, जो निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसके लिए इष्टतमीकरण की आवश्यकता होती है और इस प्रकार इष्टतमीकरण के लिए समय सीमा इस चरण में निर्दिष्ट नहीं किया जा सकता है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर स्थापित यात्री होल्डिंग एरिया ने विशेष रूप से व्यस्ततम यात्रा अवधि के दौरान भीड़ कम करने और यात्रियों की सुविधा बढ़ाने में अभूतपूर्व वृद्धि की है। होल्डिंग एरिया में यात्रियों की सुविधा के लिए कई प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिनमें टिकट काउंटर की संख्या में वृद्धि, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम), सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक गाड़ी सूचना प्रदर्शक बोर्ड, सीसीटीवी निगरानी, सामान स्कैनर, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर (डीएफएमडी), निर्बाध विद्युत आपूर्ति, बेहतर रात्रीकालीन प्रकाश व्यवस्था, हाई वॉल्यूम लो स्पीड (एचवीएलएस) फैन, अग्निशमन प्रणाली, बिजली सुरक्षा प्रणाली, आरओ पीने का पानी, और पुरुष, महिला तथा दिव्यांगजनों के लिए अलग-अलग शौचालय, साथ ही लगभग 150 यात्रियों के लिए बैठने की क्षमता शामिल हैं।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेल मंत्रालय ने एरणाकुलम जंक्शन रेलवे स्टेशन को पुनर्विकास के लिए चुने गए स्टेशनों में से एक स्टेशन के रूप में चिह्नित किया है।

एरणाकुलम जंक्शन स्टेशन पर, पूर्वी दिशा में टर्मिनल बिल्डिंग, बहुमंजिला कार पार्किंग और सहायक बिल्डिंग की आधारशिला का कार्य पूरा हो चुका है। पूर्वी दिशा में टर्मिनल बिल्डिंग, बहुमंजिला कार पार्किंग और सहायक बिल्डिंग के संरचनात्मक कार्यों को शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा कार्यालय भवन, रेलपथ डिपो और रेलपथ कार्यालय के संरचनात्मक कार्य को

भी पूरा किया जा चुका है और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है। पश्चिम टर्मिनल भवन की आधारशिला का कार्य शुरू कर दिया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह में सुधार और प्लेटफार्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकतानुसार, पारस्परिक प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/उन्नयन के लिए कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन के समय, निचली श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों का विकास/उन्नयन सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार। एरणाकुलम

जंक्शन रेलवे स्टेशन दक्षिण रेलवे के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है जिसके लिए योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1122 करोड़ रुपए (बजट अनुमान) का कुल आबंटन किया गया है।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

******